नाभिकीय अप्रसार संधि –
NPT (~~Non~~ Nuclear non –

यह संधि 1968 में हुआ था। 67 तक जो देश नाभिकीय शक्ति बन गये थे उनको नाभिकीय शक्ति। यह संधि 25 वर्षों के लिए थी। (70 – 95) तक। लेकिन 95 में इसको अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया गया।

भारत नाभिकीय प्रतिबंधों को लेकर प्रथम स्थान रहा इसको Ban को लेकर। इसलिए इस मामले में आगे। भारत सरकारी तौर पर नाभिकीय शस्त्रों का विरोध करता था ~~लेकिन नाभिकीय~~। लेकिन इसके बावजूद भारत NPT पर हस्ताक्षर नही किया। भारत का मानना था कि NPT वास्तव में नाभिकीय प्रसार के लक्ष्य को पूरा नही करता है। ये प्रभावी संधि नही है। क्योंकि NPT का मुख्य पहलू Horizontal poliferation को रोकना यानी और देश Nuclear प्रसार में नही शामिल हो।

NPT
- NWS (nuclear weapon state)
- NNWS (non nuclear weapon state)

(1967)

इस विभाजन में NWS की जिम्मेदारी गैर नाभिकीय शस्त्र देशों को नाभिकीय शस्त्रों के लिए कोई सहायता नही देगें लेकिन शांतिपूर्ण उर्जा के लिए सहयोग।

NNWS नाभिकीय शस्त्र हासिल (बनाने) करने का प्रयत्न नही करेंगे

नाभिकीय शस्त्रों को समाप्त करने का सीमित पहल। जिसके पास हो।

नाभिकीय शस्त्र को समाप्त करने में सलाह मशावरा करेगें और इसके लिए अपेक्षित परिणाम होगे।

ये संधि नाभिकीय शस्त्र बनाये रखने की वैधता रखेगें। जिन देशों के पास इसे संख्या बढ़ा सकते ही हैं।

नाभिकीय क्षमता का और विस्तार कर सकते हैं

नाभिकीय जोखिम को समाप्त करने के लिए

कोई Binding Comitement नहीं है

समाप्त करने की दिशा NPT को

लागू करने की कोई प्रगति नहीं

अमेरिका और रूस द्वारा नाभिकीय

शस्त्रों को सीमित करने और मात्रा में कमी करने में

कुछ समझौता हुआ इससे कुछ ~~खास~~ कटौती

हुई

लेकिन, NPT के अन्य तीन देश इनके उपर

कोई प्रतिबंध नहीं लगाये। (B, F, C)

(Vertical proliferation)- संख्या बढ़ाना।

इस पर कोई रोक नहीं।

विश्व में स्थायी विभाजन कर देती

है। अन्तर्राष्ट्रीय कानून की वैधता। और ये

सार्वभौमिक एवं व्यापक नाभिकीय अप्रसार की

में नहीं आता है। इसी प्रकार से भारत इस संधि में शामिल नहीं हुआ।

-(Main)

NPT में मूलत: तीन देश US, R, UK बाद में France, China [(90) के दशक में]

इसमें India, Pak, Israile शामिल नहीं क्योंकि इनके पास नाभिकीय शक्ति है। (घोषित)

NPT काफी प्रभावी साबित हुआ. अपने सीमित लक्ष्यों में, नाभिकीय शस्त्रों के प्रसार में इससे सहायता मिली। अनेक देश जिन्होंने विकास कर रहे थे जैसे South Africa (SA), 1991 में सोवियत संघ के विघटन से यूक्रेन, बेलारूस में नाभिकीय क्षमता थी। NPT के दबाव के चलते इन देशों ने नाभिकीय क्षमता को त्याग दिया। USSR को दे दिया। ये भी गैर नाभिकीय श्रेणी में आ गये।

NPT का धज्जी उड़ाने में भारत जिम्म

का द्वि-नाभिकीय परीक्षण के लिए जिम्मेदार है।
(1998)

यह परीक्षण NPT के लिए काफी बड़ा संकट।
1998 के बाद

Iran, NK पर भी यह भारत के परीक्षण का प्रभाव
North Korea
पड़ा। यह NPT में शामिल थे लेकिन यह

। 2007 के अन्त में सीरिया
(N

के Nuclear ठिकानें को इजराइल ने उड़ाए।

(Nuclear capacity + NK)

(A.Q. Khan)
भारत और पाक ने मिलकर इसकी धज्जी

उड़ाई क्योंकि इनके माध्यम से जो देश नाभिकीय

शस्त्र चाहते थे उनको वे सामान मिले।

NK. Iran. Libia आदि से Pak से न्यूक्लियर

सहायता।

1998 के बाद Nuclear प्रसार

का खतरा बढ़ा। भारत-पाक परीक्षण के बाद

और देश में भी प्रभाव पड़ा। इसमें पाक की नाभिकीय संस्थाओं की भूमिका।

इजराइल ने नाभिकीय परीक्षण नहीं किया है। परन्तु यह माना जाता है कि इजराइल के पास काफी संख्या में नाभिकीय हथियार है official तौर पर कोई नहीं, हिचकी। [अघोषित लेकिन सर्वविदित] आप-के पास देशों में विरोध। अमेरिका का समर्थन फिर भी अपनी अस्तित्व की गारंटी के लिए नाभिकीय शस्त्रों की जरुरत। अमेरिका ~~हो अपना हो सकता~~ है, उससे अपना हित हो सकता है कि साबित करें।

ईरान ~~के पास~~ पर लगातार दबाव पड़ रहा है कि Nuclear (शस्त्र) क्षमता को समाप्त करे। NPT पर हस्ताक्षर किए है

- (इजराइल)

ईरान का तर्क है कि पश्चिमी देश बना रहे हैं अतः उनके पास नाभिकीय क्षमता होना चाहिए।

(NPT को लेकर)

[पाक के उपर क्या कोई टिप्पणी नही
उन सन्धियों मे शामिल नही होगा तो जिसमे भारत.
नही तोपाक नही]

Scanned with CamScanner